ग्रीष्म कालीन शिविर में बच्चों ने ड्राइंग, डांस और गेम्स खेले

पेंटिग दिखाते स्कूली बच्चे।

सीएसए में बच्चों के लिए प्रारंभ हुआ ग्रीष्म कालीन शिविर

कानपुर, 25 जून। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में 3 से 12 वर्ष के बच्चों के लिए मानव विकास विभाग के अंतर्गत दिनांक 25 जून से ग्रीष्म कालीन शिविर प्रारंभ हुआ। यह चार दिवसीय नि:शुल्क ग्रीष्म कालीन शिविर 28 जून तक चलेगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों के व्यक्तित्व एवं सामाजिक विकास के साथ ही बच्चों को स्वालंबी बनाना है। बुधवार को पहले दिन बच्चों को ड्रॉइंग, डांस एवं गेम्स समेत कई विभिन्न इवेंट हुए। आगामी दिनों में बच्चों के लिए अन्य रचनात्मक क्रियाओं जैसे क्राफ्ट, स्पोर्ट्स, फायर लेस कुकिंग, नाट्य, ड्रामा एवं कहानी का आयोजन होगा। इस शिविर का शुभारंभ इंचार्ज डॉक्टर मुक्ता गर्ग के मार्गदर्शन में अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान संकाय डॉ सीमा सोनकर की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। विश्वविद्यालय परिसर के अंदर एवं बाहर रहने वाले लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान डा. सुमेधा चौधरी, डा. अदिति, नर्सरी टीचर श्रीमती रेनू, षष्ठम सेमेस्टर की छात्राओं कुमारी नीतू, महक, ट्विंकल, शिवकांति आदि ने प्रतिभाग किया।

वर्ष-18 अंक-238 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, गुरूवार 26 जून 2025

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक नगर छाया

RNI No.- UPHIN/2007/27090

आप की आवाज़.....

नन्हें मुन्ने बच्चों हेतु प्रारंभ हुआ ग्रीष्म कालीन शिविर

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में 3 से 12 वर्ष के बच्चों के लिए मानव विकास विभाग के अंतर्गत दिनांक 25 जून से ग्रीष्म कालीन शिविर प्रारंभ हुआ। यह चार दिवसीय निःशुल्क ग्रीष्म कालीन शिविर 28 जून तक चलेगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों के व्यक्तित्व एवं सामाजिक विकास के साथ ही बच्चों को स्वालंबी बनाना है । जिसके अंतर्गत बच्चों को विभिन्न प्रकार की क्रियाएं कराई गई जैसेः ड्राइंग, डांस एवं गेम्स इत्यादि ।आगामी दिनों में बच्चों के संपूर्ण विकास हेतु अन्य रचनात्मक क्रियाओं जैसे क्राफ्ट, स्पोर्ट्स, फायर लेस कुकिंग, नाट्य, ड्रामा एवं कहानी का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर का शुभारंभ इंचार्ज डॉक्टर मुक्ता गर्ग के मार्गदर्शन में अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान संकाय डॉ सीमा सोनकर की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें विश्वविद्यालय परिसर के अंदर एवं बाहर रहने वाले लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया । इस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु डॉक्टर सुमेधा चौधरी एवं डॉक्टर अदिति दत्त द्वारा बीएससी षष्ठम सेमेस्टर की छात्राओं को विभिन्न क्रियाएं के संचालन हेतु निर्देशित किया गया। नर्सरी टीचर श्रीमती रेनू द्वारा अपना संपूर्ण सहयोग प्रदान किया गया है। षष्ठम सेमेस्टर की छात्राओं कुमारी नीतू, महक, दिवंकल, शिवकांति आदि छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

दैनिक कानपुर उजाला

सीएसए के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में नन्हें मुन्ने बच्चों हेतु शुरू हुआ ग्रीष्म कालीन शिविर

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में 3 से 12 वर्ष के बच्चों के लिए मानव विकास विभाग के अंतर्गत दिनांक 25 जून से ग्रीष्म कालीन शिविर प्रारंभ हुआ। यह चार दिवसीय निःशुल्क ग्रीष्म कालीन शिविर 28 जून तक चलेगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों के व्यक्तित्व एवं सामाजिक विकास के साथ ही बच्चों को स्वालंबी बनाना है । जिसके अंतर्गत आज बच्चों को विभिन्न प्रकार की क्रियाएं कराई गई जैसेः ड्रॉइंग, डांस एवं गेम्स इत्यादि। आगामी दिनों में बच्चों के संपूर्ण विकास हेतु अन्य रचनात्मक क्रियाओं जैसे क्राफ्ट, स्पोट्र्स, फायर लेस कुकिंग, नाट्य, ड्रामा एवं कहानी का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर का शुभारंभ इंचार्ज डॉक्टर मुक्ता गर्ग के मार्गदर्शन में अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान संकाय डॉ सीमा सोनकर की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें विश्वविद्यालय परिसर के अंदर एवं बाहर रहने वाले लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु डॉक्टर सुमेधा चौधरी एवं डॉक्टर अदिति दत्त द्वारा बीएससी षष्ठम सेमेस्टर की छात्राओं को विभिन्न क्रियाएं के संचालन हेतु निर्देशित किया गया। नर्सरी टीचर श्रीमती रेनू द्वारा अपना संपूर्ण सहयोग प्रदान किया गया है। षष्ठम सेमेस्टर की छात्राओं कुमारी नीतू, महक, ट्विंकल, शिवकांति आदि छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

अमर भारती
एक उम्मीद
04 प्रदेश, 06 संस्करण

नन्हें-मुन्नों के लिए ग्रीष्म कालीन शिविर शुरू

कानपुर (अमर भारती)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में 3 से 12 वर्ष के बच्चों के लिए मानव विकास विभाग के अंतर्गत दिनांक 25 जून से ग्रीष्म कालीन शिविर प्रारंभ हुआ। यह चार दिवसीय निःशुल्क ग्रीष्म कालीन शिविर 28 जून तक चलेगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों के व्यक्तित्व एवं सामाजिक विकास के साथ ही बच्चों को स्वालंबी बनाना है । जिसके अंतर्गत आज बच्चों को विभिन्न प्रकार की क्रियाएं कराई गई जैसे- ड्रॉइंग, डांस एवं गेम्स इत्यादि ।आगामी दिनों में बच्चों के संपूर्ण विकास हेतु अन्य रचनात्मक क्रियाओं जैसे क्राफ्ट, स्पोर्ट्स, फायर लेस कुकिंग, नाट्य, ड्रामा एवं कहानी का आयोजन किया जाएगा।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 352 कानपुर, गुरुवार, 26 जून 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में नन्हे मुन्ने के लिए चार दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर आरंभ

कानपुर (स्वरूप संवाददाता)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में 3 से 12 वर्ष के बच्चों के लिए मानव विकास विभाग के अंतर्गत दिनांक 25 जून से ग्रीष्म कालीन शिविर प्रारंभ हुआ। यह चार दिवसीय निःशुल्क ग्रीष्म कालीन शिविर 28 जून तक चलेगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों के व्यक्तित्व एवं सामाजिक विकास के साथ ही बच्चों को स्वालंबी बनाना है ।

जिसके अंतर्गत आज बच्चों को विभिन्न प्रकार की क्रियाएं कराई गई जैसे- ड्रॉइंग, डांस एवं गेम्स इत्यादि ।आगामी दिनों में बच्चों के संपूर्ण विकास हेतु अन्य रचनात्मक क्रियाओं जैसे क्राफ्ट, स्पोर्ट्स, फायर लेस कुकिंग, नाट्य, ड्रामा एवं कहानी का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर का शुभारंभ इंचार्ज डॉक्टर मुक्ता गर्ग के मार्गदर्शन में अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान संकाय डॉ सीमा सोनकर की

उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें विश्वविद्यालय परिसर के अंदर एवं बाहर रहने वाले लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया । इस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु डॉक्टर सुमेधा चौधरी एवं डॉक्टर अदिति दत्त द्वारा बीएससी षष्ठम सेमेस्टर की छात्राओं को विभिन्न क्रियाएं के संचालन हेतु निर्देशित किया गया। नर्सरी टीचर श्रीमती रेनू द्वारा अपना संपूर्ण सहयोग प्रदान किया गया है। षष्ठम सेमेस्टर की छात्राओं कुमारी नीतू, महक, ट्विंकल, शिवकांति आदि छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

अंक-113 कानपुर, गुरूवार 26 जून 2025 पृष्ठ-8

दैनिक
आज का कानपुर

सीएसए के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में नन्हें मुन्ने बच्चों हेतु प्रारंभ हुआ ग्रीष्म कालीन शिविर

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में 3 से 12 वर्ष के बच्चों के लिए मानव विकास विभाग के अंतर्गत दिनांक 25 जून से ग्रीष्म कालीन शिविर प्रारंभ हुआ यह चार दिवसीय निःशुल्क ग्रीष्म कालीन शिविर 28 जून तक चलेगा इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों के व्यक्तित्व एवं सामाजिक विकास के साथ ही बच्चों को स्वालंबी बनाना है जिसके अंतर्गत बच्चों को विभिन्न प्रकार की क्रियाएं कराई गई जैसे ड्रॉइंग, डांस एवं गेम्स इत्यादि आगामी दिनों में बच्चों के संपूर्ण विकास हेतु अन्य रचनात्मक क्रियाओं जैसे क्राफ्ट, स्पोर्ट्स, फायर लेस कुकिंग, नाट्य, ड्रामा एवं कहानी का आयोजन किया जाएंगा इस शिविर का शुभारंभ इंचार्ज डॉक्टर मुक्ता गर्ग के मार्गदर्शन में अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान संकाय डॉ सीमा सोनकर की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ जिसमें विश्वविद्यालय परिसर के अंदर एवं बाहर रहने वाले लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया इस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु डॉक्टर सुमेधा चौधरी एवं डॉक्टर अदिति दत्त द्वारा बीएससी षष्ठम सेमेस्टर की छात्राओं को विभिन्न क्रियाएं के संचालन हेतु निर्देशित किया गया नर्सरी टीचर रेनू द्वारा अपना संपूर्ण सहयोग प्रदान किया गया है षष्ठम सेमेस्टर की छात्राओं कुमारी नीतू, महक, ट्विंकल, शिवकांति आदि छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

The Pioneer
LUCKNOW | THURSDAY | JUNE 26, 2025

Stress on adoption of advanced vegetable cultivation techniques

The three-day training programme concludes at CSAUA&T

PIONEER NEWS SERVICE ■
Kanpur

The closing ceremony of the Japan-funded project under the United Nations Industrial Development Organisation (UNIDO), aimed at transferring Japanese technology for industrial vocational training in Africa and Asia, was held at Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology (CSAUA&T) under the chairmanship of Vice-Chancellor Dr Anand Kumar Singh.

Expressing gratitude to UNIDO Japan and the Government of Uttar Pradesh for funding the project, Dr Singh emphasised that the adoption and commercialisation of advanced vegetable cultivation techniques can lead to the production of high-quality crops and increased income. He also noted the great potential for profitable agricultural practices in India and praised the Japanese IMEC technology for its role in conserving natural resources.

CEO of Mebiol Inc., Japan, Dr Hiroshi Yoshioka, expressed appreciation for the university's efforts in successfully implementing the project. He stated that IMEC technology could bring revolutionary changes to Indian agriculture.

National Project Coordinator at UNIDO New Delhi, Rekha Jain, highlighted that 40 per cent of participants in the vocational training programmes were women, marking the programme's success and its role in empowering women.

National Project Associate at UNIDO, Aditya Arora, discussed the IMEC technology and acknowledged the university's achievement of all project targets.

Course Director Dr PK Singh presented the accomplishments of the past year and informed that a demonstration unit based on IMEC technology has been established in the university's Vegetable Science Department. This unit will contribute to skill development among farmers and youth and promote high-quality vegetable production. Course Coordinator Dr Rajeev expressed gratitude to all participants and said that continuous efforts would be made in the future to transfer such Japanese technologies. The event was attended by the dean of Agriculture Forestry, dean of Horticulture, directors of Extension, Administration and Monitoring, faculty members, entrepreneurs, and around 50 research scholars.